अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(वाक्यांश)

(1). → हिंदी में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोलकर हम भाषा को प्रभावशाली बनाते हैं। वह वाक्यांश कहलाता है।

(2). → विस्तृत भावों एवं विचारों को व्यक्त करने का एक प्रभावशाली ढंग होता है।

(3). → भाषा की सुदृढ़ता व्यक्त होती है।

(4). → भावों की गम्भीरता चुस्त शैली में दिखाई देती है।

(5). → शब्द समूह के स्थान पर एक शब्द पूरा अर्थ देता है।

उदाहरण-

राम कविता लिखता है → कवि
जिस महिला का पति मर गया हो → विधवा
जिसका कोई न हो → अनाथ

(1).	जिसका पता न हो	अज्ञात/लापता
(2).	जिसके आने की तिथि न हो	अतिथि/रिश्तेदार/मेहमान
(3).	जिसके समान दूसरा न हो	अद्वितीय/अनुपम
(4).	जिसके पार देखा न जा सके	अपारदर्शी
(5).	अण्डे से जन्मने वाला	अण्डज
(6).	जिसकी उपमा न हो	अनुपम
(7).	जो अल्प (कम) जानता है	अल्पज्ञ
(8).	जो कुछ नहीं जानता है	अज्ञ
(9).	जो बहुत जानता है	बहुज्ञ
(10).	जो सब कुछ जानता है	सर्वज्ञ
(11).	जो स्त्री सूर्य भी न देख सके	असूर्यम्पश्या
(12).	जो नहीं हो सकता	असंभव
(13).	जो स्त्री अभिनय करे	अभिनेत्री

(14).	जो पुरुष अभिनय करे	अभिनेता
(15).	जो विधि या कानून के विरुद्ध हैं	अवैध/गैर-कानूनी
(16).	जिसे बुलाया न गया हो	अनाहूत
(17).	जिसे बुलाया गया हो	आहूत
(18).	धरती और आकाश के बीच का स्थान	अंतरिक्ष
(19).	जो इन्द्रियों द्वारा न जाना जा सके	अतीन्द्रिय
(20).	जो अपनी बात से टले नहीं	अटल/अड़िग
(21).	इन्द्र पर विजय पाने वाला	इंद्रजीत
(22).	जो धन को व्यर्थ ही खर्च करता हो	अपव्ययी
(23).	जो धन को व्यर्थ खर्च नहीं करता हो	मितव्ययी
(24).	अति वर्षा होना	अतिवृष्टि
(25).	अल्प वर्षा होना	अल्पवृष्टि/अनावृष्टि
(26).	जिस समय बड़ी मुश्किल के भिक्षा मिलती हैं	दुर्भिक्ष
(27).	जिसका शत्रु जन्मा तक न हो	अजातशत्रु
(28).	जिस पुरुष की पत्नी मर जाती हैं	विधुर